ग्रामीण कृषि मौसम सेवा, कृषि मौसम विभाग
जलवायु परिवर्तन पर उच्च अध्ययन केन्द्र
डा0 राजेन्द्र प्रसाद केन्द्रीय कृषि विश्वविद्यालय
पूसा,समस्तीपुर (बिहार)–848125

बुलेटिन संख्या–३२
दिनांक– शुक्रवार, २८ अप्रैल, २०२३

विगत मौसम पूर्वानुमान अवधि का आकलन

मौसमीय वेधशाला पूसा के आकलन के अनुसार पिछले तीन दिनों का औसत अधिकतम एवं न्यूनतम तापमान क्रमशः 34.7 एवं 18.7 डिग्री सेल्सियस रहा। औसत सापेक्ष आर्द्रता 81 प्रतिशत सुबह में एवं दोपहर में 34 प्रतिशत, हवा की औसत गति 2.2 कि0मी0 प्रति घंटा एवं दैनिक वाष्पन 4.4 मि0मी0 तथा सूर्य प्रकाश अवधि औसतन 7.9 घन्टा प्रति दिन रिकार्ड किया गया तथा 5 से0मी0 की गहराई पर भूमि का औसत तापमान सुबह में 24.6 एवं दोपहर में 36.3 डिग्री सेल्सियस रिकार्ड किया गया। इस अवधि में वर्षा नही हुई है।

मध्यावधि मौसम पूर्वानुमान
(29 अप्रैल से 03 मई, 2023)

ग्रामीण कृषि मौसम सेवा, डा0आर0पी0सी0ए0यू0, पूसा, समस्तीपुर एवं भारत मौसम विज्ञान विभाग के सहयोग से जारी 29 अप्रैल से 03 मई, 2023 तक के मौसम पूर्वानुमान के अनुसारः–

- उत्तर बिहार के जिलों के आसमान में हल्के से मध्यम गरज वाले बादल छायें रह सकते हैं। अगले एक–दो दिनों तक वर्षा की सम्भावना बहुत ही कम है। उसके बाद मौसमीय परिस्थितियाँ अनुकूल होने के कारण १ से ३ मई के बीच वर्षा की संभावना बन रही है। ३ मई को वर्षा की संभावना थोड़ी अधिक रह सकती है। १ से ३ मई के बीच मेघ गर्जन एवं तेज हवा के साथ अनेक स्थानों पर वर्षा होने की संभावना है। कहीं–कहीं पर ओलावृष्टि भी हो सकती है।
- अगले दो दिनों के बाद अधिकतम तापमान में भारी गिरावट आ सकती है इस तापमान 31–32 डिग्री सेल्सियस के बीच रहने की सम्भावना है। जबकि न्यूनतम तापमान 20–23 डिग्री सेल्सियस के आस–पास रह सकता है।
- सापेक्ष आर्द्रता सुबह में 60 से 70 प्रतिशत तथा दोपहर में 45 से 50 प्रतिशत रहने की संभावना है।
- पूर्वानुमानित अवधि में औसतन 8 से 14 कि0मी0 प्रति घंटा की रफ्तार से पछिया हवा चलने की सम्भावना है। जबकि ३ मई को उत्तर बिहार के सभी जिलों में पुरवा हवा चल सकती है।

• समसामयिक सुझाव

- मौसमीय परिस्थितियाँ अनुकूल बनने के कारण १ से ३ मई तक वर्षा की संभावना बन रही है। अतः किसान भाई इस दौरान कृषि कार्य सावधानीपूर्वक करें तथा कोई भी छिड़काव मौसम साफ रहने पर या वर्षा नही होने की स्थिति में करें।
- फल मक्खी लत्तर वाली सब्जियों जैसे नेनुआ, करैला, लौकी (कद्दू), और खीरा फसल को क्षति पहुचाने वाला प्रमुख कीट है। यह घरेलू मक्खी की तरह दिखाई देने वाली भूरे रंग की होती है। मादा कीट मुलायम फलों की त्वचा के अन्दर अंडे देती है। अंडे से पिल्लू निकलकर अन्दर ही अन्दर फलों के भीतरी भाग को खाता है। जिसके कारण पूरा फल सड़ कर नष्ट हो जाता है। इस कीट का प्रकोप शुरू होते ही 1 किलोंग्रम छोआ, 2 लीटर मैलाथियान 50 ई0सी0 को 1000 लीटर पानी मे घोल कर 15 दिनों के अन्तराल पर दो बार छिड़काव आसमान साफ रहने पर ही करें।
- भिण्डी की फसल को लीफ हॉपर कीट द्वारा काफी नुकसान होता है। यह कीट दिखने में सुक्ष्म होता है। इसके नवजात एवं व्यस्क दोनो पत्तियों पर चिपककर रस चुसते है। इस कीट का प्रकोप दिखाई देने पर इमिडाक्लोप्रिड 0.5 मी0ली0 प्रति लीटर पानी की दर से घोल बनाकर छिड़काव करें। भिंडी फसल में माइट कीट की निगरानी करते रहे। प्रकोप दिखाई देने पर ईथियॉन/1.5 से 2 मि0ली0 प्रति ली0 पानी की दर से छिड़काव आसमान साफ रहने पर ही करें। गरमा सब्जियों जैसे भिन्डी, नेनुआ, करैला, लौकी (कद्दू), और खीरा की फसल में निकाई–गुड़ाई करें।
- मूंग एवं उरद की फसल मे रस चूसक कीट माहु, हरा फुदका, सफेद मक्खी व थ्रीप्स कीट की निगराणी करें। यह कीट पौधे की पत्तियों, कोमल टहनियों, फूल व अपरिपक्व फलियों से रस चूसते है। सफेद मक्खी पीला मोजैक रोग को फैलाने का काम करती है। इन कीटों का प्रकोप दिखने पर बचाव हेतु मैलाथियान 50 ई0सी0 या डाडमेथोएट 30 ई0सी0 का 1 लीटर प्रति हेक्टेयर की दर से फसल मे छिड़काव आसमान साफ रहने पर ही करें।
- खरपतवार रोग एवं कीट नियंत्रण हेतु पड़ती खेत की ग्रीष्मकालीन जुताई करें। कीट नियंत्रण हेतु बसंतकालीन ईख तथा गरमा फसलों पर कीटनाशक एवं फफूंदनाशक दवाओं का व्यवहार करें। हरा चारा के लिए मक्का, ज्वार, बाजरा तथा लोबिया की बुआई करें।
- किसान भाई हल्दी एवं अदरक की बुआई के लिए खेत की तैयारी कर सकते है । खेत की जुताई में प्रति हेक्टेयर 25 से 30 टन गोबर की सड़ी खाद डाले।
- ओल की फसल की रोपाई करें। रोपाई के लिए गजेन्द्र किस्म अनुशंसित है। ओल की कटे कन्द को ट्राइकोर्डमा भिरीडी दवा के 5.0 ग्राम प्रति लीटर गोबर के घोल में मिलाकर 20–25 मिनट तक डुबोकर रखने के बाद कन्द को निकालकर छाया में 10–15 मिनट तक सुखने दें उसके बाद उपचारित कन्द को लगायें ताकि मिट्टी जनित बीमारी लगने की संभावना को रोका जा सके तथा अच्छी उपज प्राप्त हो सके।
- गर्मी वाली साब्जीयॉ जैसे भिन्डी, नेनुआ, करैला, लौकी (कद्दू), और खीरा की फसल में आवश्यकतानुसार निकाई–गुड़ाई करें।
- कद्दू, खीरा, नेनुआ आदि फसलो में चूर्णिल आसिता रोग तथा मकड़ी कीट का प्रकोप होने पर सल्फर आधारित दवाओं का प्रयोग करें।

आज का अधिकतम तापमानः 35.7 डिग्री सेल्सियस, सामान्य से 0.4 डिग्री सेल्सियस कम	आज का न्यूनतम तापमानः 18.5 डिग्री सेल्सियस, सामान्य से 3.6 डिग्री सेल्सियस कम

(डॉ0 गुलाब सिंह)
तकनीकी पदाधिकारी (कृषि मौसम)

(डॉ0 ए. सत्तार)
वरीय वैज्ञानिक सह नोडल पदाधिकारी (कृषि मौसम)